कक्षा – द्वादश
विषय : सामान्य हिन्दी

समय : 3:15 घण्टे | पूर्णांक : 100

निर्देश :

प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर खण्डों के क्रमानुसार ही कीजिए।

कृपया जांच लें प्रश्न पत्र में प्रश्नों की कुल संख्या 14 तथा मुद्रित पृष्ठों की संख्या 07 है।

कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखिए।

घण्टी का प्रथम संकेत प्रश्न पत्रों के वितरण एवं प्रश्न पत्र को पढ़ने के लिए है। 15 मिनट के पश्चात घण्टी के द्वितीय संकेत पर प्रश्न पत्र हल करना प्रारम्भ कीजिए।

खण्ड–क

क हिन्दी 'एकांकी का जनक' माना जाता है– (1)

1. डॉ. राम कुमार वर्मा को 2. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को
3. मुंशी प्रेमचन्द्र को 4. चन्द्रधर धर्मा 'गुलेरी' को

ख किशोरी लाल गोस्वामी की रचना है– (1)

1. नहुष 2. इन्दुमती
3. अपनी कहानी 4. ग्यारह वर्ष का समय

ग 'कुटज' की रचना विधा है– (1)

1 निबन्ध 2. संस्मरण 3. आलोचना 4. आत्मकथा

घ 'आनन्द कादम्बिनी पत्रिका' के सम्पादक थे– (1)

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी 2. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
3. रायकृष्ण दास 4. बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमधन'

ङ 'आवारा मसीहा' के लेखक हैं– (1)

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी 2. महावीर प्रसाद द्विवेदी
3. विष्णु प्रभाकर 4. शरद चन्द्र

https://www.upboardonline.com

2 क ज्ञानाश्रयी शाखा के प्रथम कवि माने जाते हैं- (1)

1 सन्त कबीर 2 सन्त रविदास

3 सन्त तुलसीदास 4 इनमें से कोई नहीं

ख 'रामचन्द्रिका' के रचयिता हैं- (1)

1 धरमदास 2 नाभादास

3 रामचन्द्र शुक्ल 4 केशवदास

ग उर्वशी महाकाव्य के रचयिता हैं- (1)

1 रामधारी सिंह 'दिनकर' 2 अयोध्या सिंह उपाध्याय

3 जयशंकर प्रसाद 4 मैथिलीशरण गुप्त

घ सुमित्रा नन्दन पन्त को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला- (1)

1 लोकायतन पर 2 कला और बूढ़ा चांद पर

3 चिदम्बरा पर 4 अतिमा पर

ङ द्विवेदी युग की कालावधि है- (1)

1 1900 ई से 1918 ई तक 2 1919 ई से 1938 ई. तक

3 1885 ई से 1900 ई तक 4 1938 ई से 1943 ई तक

3 दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (5x2=10)

राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है। मनुष्यों ने युगों–युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है वही उसके जीवन की श्वास–प्रश्वास है। बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंध मात्र है। संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है। संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि सम्भव है। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ–साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है। यदि भूमि और जन अपनी संस्कृति से विरहित कर दिये जाएँ तो राष्ट्र का लोप समझना चाहिए। जीवन के विटप का पुष्प संस्कृति है। संस्कृति के सौन्दर्य और सौरभ में ही राष्ट्रीय जन के जीवन का सौन्दर्य और यश अन्तर्निहित है। ज्ञान और कर्म दोनों के पारस्परिक प्रकाश की संज्ञा संस्कृति है।

क उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

ख रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

ग राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ–साथ किसका महत्वपूर्ण स्थान है?

घ. कब राष्ट्र का लोप समझना चाहिए?

ङ. संस्कृति के सौन्दर्य और सौरभ में क्या अन्तर्निहित है?

अथवा

https://www.upboardonline.com

अशोक का फूल तो उसी मस्ती मे हंस रहा है। पुराने चित्त का इसको देखने वाला उदास होता है। वह अपने को पंडित समझता है। पंडिताई भी एक बोझ है – जितनी ही भारी होती है, उतनी ही तेजी से डुबाती है। जब वह जीवन का अग बन जाती है तो सहज हो जाती है। तब वह बोझ नहीं रहती। वह उस अवस्था मे उदास भी नहीं करती।

क उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

ख रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

ग अशोक को देखकर कौन उदास हो जाता है?

घ उपर्युक्त गद्यांश के माध्यम से लेखक विद्वता के बारे में जन सामान्य को क्या सन्देश देना चाहता है?

ङ प्रस्तुत गद्यांश का आशय स्पष्ट कीजिए।

4 दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिए—(5x2=10)

कोई प्यारा कुसुम कुम्हला गेह में जो पडा हो।
तो प्यारे के चरण पर ला डाल देना उसी को।
यों देना ऐ पवन बतला फूल सी एक बाला
म्लाना हो हो कमल–पग को चूमना चाहती है।

क उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

ख रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

ग राधा पवन–दूतिका से मुरझाए हुए पुष्प को कहा डाल देने के लिए कह रही है?

घ मुरझाए हुए पुष्प की उपमा किससे की गयी है?

ङ श्रीकृष्ण के कमल के समान कोमल चरणो को कौन चूमना चाहता है?

अथवा

नील परिधान बीच सुकुमार
खुल रहा मृदुल अधखुला अंग।
खिला हो ज्यो बिजली का फूल
मेघ बन बीच गुलाबी रंग।

क उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

ख रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

ग इन पंक्तियों मे किसकी वेशभूषा का चित्रात्मक वर्णन किया गया है?

घ श्रद्धा की वेशभूषा को देखकर कैसा प्रतीत हो रहा है?

ङ 'मेघ–वन' में कौन सा अलकार है?

https://www.upboardonline.com

बहुना चरित्र निर्माणार्थं यादृशी सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मय ददाति न तादृशी किंचिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीय गुणानां यादृशी विवेचना संस्कृत साहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी। दया, दान, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा अन्ये च अनेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन संजायन्ते।

ख दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए– (2+5=7)

न मे शोचते भद्र वः उलूकस्याभिषेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुख पश्य कथ क्रुद्धो भवथिति।।

अथवा

न चौरहार्यं न च राजहार्यं
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्द्धत एव नित्यं
विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्।।

9 निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए– (1+1=2)

क कूप मण्डूक होना

ख ईद का चांद होना

ग कहां राजा भोज कहां गगू तेली

घ छछूंदर के सिर पर चमेली का तेल

10 क निम्नलिखित शब्दों के सन्धि विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए–

1 कवीश्वर का सन्धि विच्छेद है– (1)

अ. कवी+ईश्वर ब कवि+ईश्वर

स. कवि+इश्वर द कवी+श्वर

2 'कठोपनिषद' का सन्धि विच्छेद है– (1)

अ. कठ+उपनिषद ब कठोप+निषद

स. कठु+उपनिषद द कठो+पनिषद

3 मध्वरि का सन्धि विच्छेद है– (1)

अ मधू+अरि ब मध्व+रि

स मध्वा+रि द मधु+अरि

ख निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन के अनुसार चयन कीजिए।

https://www.upboardonline.com

5 क. निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए। (3+2=5)
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

1 वासुदेव शरण अग्रवाल
2 डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

ख. निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए। (3+2=5)
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

1 मैथिलीशरण गुप्त
2 जयशंकर प्रसाद
3 सुमित्रा नन्दन पन्त

6 'ध्रुवयात्रा' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए। (5)
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

अथवा

ध्रुवयात्रा अथवा पंचलाइट कहानी का उद्देश्य लिखिए।
(शब्द सीमा 80 शब्द)

7 स्वपठित खण्ड काव्य के आधार पर प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) (5)

अथवा

स्वपठित खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

8 क. दिये गये गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए। (2+5=7)

1 याज्ञवल्क्य उवाच– न वा अरे मैत्रेयि! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति। आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। न वा अरे पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति आत्मनस्तु वैकामाय सर्वं प्रियं भवति।

अथवा

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये–पद्ये च लालित्यं भावबोध सामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुति माधुर्यं च वर्तते। किं

https://www.upboardonline.com

1 आत्मानम् में विभक्ति और वचन है (1)

अ षष्ठी बहुवचन ब द्वितीया एकवचन

स सप्तमी द्विवचन द चतुर्थी एकवचन

2 'नामभि' शब्द में विभक्ति और वचन है (1)

अ चतुर्थी एकवचन ब सप्तमी एकवचन

स सप्तमी बहुवचन द तृतीया बहुवचन

11 क निम्नलिखित शब्द युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए- (1)

1 तरणी–तरुणी

अ यमुना और सूर्य ब नौका और युवती

स युवती और स्त्री द नदी और नाली

2 कुल–कूल (1)

अ वंश और किनारा ब वंश और आवाज

स ध्वनि और शीतल द सब और शीतल

ख निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए- (1+1=2)

1 द्विज 2 वपला 3 घनश्याम 4 जलज

ग निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए- (1)

1 अभी–अभी स्नान किया हुआ

अ सद्य स्नात ब सद्य स्नाता

स अद्य स्नात द शीघ्र स्नान

2 किसी के उपकार को न मानने वाला (1)

अ कृतज्ञ ब कृतघ्न

स अकृतज्ञ द उपकृत्य

घ निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध कीजिए- (1+1=2)

1. एक पुरुष और एक स्त्री जा रही है।
2. महादेवी छायावाद की कवि है।
3. आपने मुझे आशा देकर निराशा दी।
4. रमेश की सौभाग्यवती पुत्री का विवाह तय हो गया।

12 क 'हास्य रस' अथवा 'वीर रस' की परिभाषा, सोदाहरण लिखिए। (1+1=2)

ख 'उपमा' अथवा 'यमक' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए। (1+1=2)

https://www.upboardonline.com

ग दोहा अथवा चौपाई छन्द का मात्रा सहित लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। (1+1=2)

3 किसी विद्यालय के प्रबंधक के नाम हिन्दी प्रवक्ता पद हेतु अपनी नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र लिखिए। (2+4=6)

अथवा

अपने क्षेत्र में कोविड 19 (कोरोना) फैलने की सम्भावना को देखते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए।

14 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए। (9)

क साहित्य और समाज

ख वैश्विक महामारी कोविड–19

ग मेरा प्रिय कवि / लेखक

घ राष्ट्रीय एकता

ङ पर्यावरण प्रदूषण के कारण एवं निवारण

https://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.upboardonline.com